प्रेस-विज्ञप्ति

"माहा-चक्रवात" से निपटने के लिए प्रशासन ने उठाये एहतियाती कदम

संभावित क्षेत्रों से लोगों को निकालकर पहुँचाया गया राहत शिविरों में

दीव 06 नवम्बर, 2019: दीव जिला प्रशासन ने माहा-चक्रवात से निपटने के लिए सभी एहतियाती कदम उठा लिये हैं। आज लो-लाईंग एरिया से लोगों को सुरक्षित निकालकर उन्हें प्रशासन द्वारा स्थापित राहत शिविरों में पहुँचाया गया। इनमें मुख्यत: घोघला और बणांकबारा क्षेत्र के लो-लाईंग एरिया के लोग शामिल हैं। जिला समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय के निर्देश पर तैनात राहत एवं बचाव दल ने लोगों को उनके घरों से निकालकर राहत शिविरों में पहुँचाया ताकि चक्रवात के दीव के तटीय क्षेत्र से टकराने की स्थिति में किसी भी प्रकार के जान-माल का नुकसान न हो। राहत शिविरों में शरणार्थियों के लिए भोजन, नाश्ता, दवा, पानी, दूध आदि का प्रबंध किया गया है। विद्युत और दूरसंचार आपूर्ति को दुरूस्त कर लिया गया है ताकि आपदा की स्थिति में किसी भी नागरिक को कोई कठिनाई ना होने पाये।

दीव के सभी संभावित क्षेत्रों में एन.डी.आर.एफ. की टीम ने मोर्चा संभाल लिया है। दीव के तटीय क्षेत्रों को खाली कराने और आपात स्थिति से निपटने के लिए सुबह से ही एन.डी.आर.एफ. की टीम-युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है। कॉस्टगार्ड के हेलीकॉप्टरों को भी तैयार रहने के निर्देश जारी कर दिये गये हैं। संचार व्यवस्था को बनाये रखने के लिए सभी टेलीफोन ऑपरेटरों को आवश्यक सुविधाएं मुहैया करायी गई है। चिकित्सकों की टीम तैयार कर उन्हें 24X7 तैयार रहने को बोला गया है।

दीव समाहर्ता के निर्देश पर लोगों को जागरूक करने और सुरक्षित स्थलों पर जाने के लिए लाऊड-स्पीकर और मैसेज के जरिये उन्हें सचेत किया जा रहा है। शाम 5.15 पर जारी आई.एम.डी. की बुलिटेन के मुताबिक चक्रवात की रफ्तार धीमी हुई है और उत्तरोतर कमजोर होने की संभावना है। दिनांक 7 नवम्बर को माहा-चक्रवात की दीव के तटीय क्षेत्र से टकराने की संभावना जताई गई है। प्रशासन चक्रवात के दौरान किसी भी परिस्थित से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और समुद्रतटों पर सैर हेतु पूर्णरूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। समुद्रतट पर जाने वाले मार्गों पर बैरेकेट्स लगाये गये हैं। सैलानियों को दीव ना आने की हिदायत दी गई है और जो सैलानी होटलों में हैं उन्हें होटलों में भी रहने की अपील की गई है।